गृह मंत्रालय

Azadi Ka Amrit Mahotsav

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह आज मध्य प्रदेश के नीमच में CRPF दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

केन्द्रीय गृह मंत्री ने CRPF के 2264 कर्मियों द्वारा देश की सुरक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने सभी CAPFs के जवानों के कल्याण के लिए अनेक कल्याणकारी कदम उठाए हैं

CRPF के जवानों ने हमेशा देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है

CRPF की कोबरा बटालियन को आता देख दुर्दांत नक्सलियों की रूह काँप जाती है

पशुपतिनाथ से तिरुपति तक लाल आतंक फ़ैलाने का सपना देखने वाले नक्सली आज 4 जिलों तक सीमित हैं, इसमें सबसे बड़ा योगदान CRPF का है

देश को नक्सलवाद से मुक्त करने में CRPF की सबसे बड़ी भूमिका रहेगी

CRPF ने विगत 5 वर्षों में नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में 400 से अधिक फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए हैं, इससे 10 साल में नक्सली हिंसा में 70% से अधिक कमी आई है

धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के चुनावों को शांतिपूर्ण और बिना एक भी गोली चलाए संपन्न कराने का काम CRPF

और अन्य सुरक्षाबलों ने किया

CRPF भारत ही नहीं बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा अर्धसैनिक बल

प्रविष्टि तिथि: 17 APR 2025 3:35PM by PIB Delhi

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह आज मध्य प्रदेश के नीमच में केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और महानिदेशक, CRPF सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने CRPF के 2264 कर्मियों द्वारा देश की सुरक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उन्हें कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि भारत 2047 में विश्व में हर क्षेत्र में सर्वप्रथम बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और इस लक्ष्य की प्राप्ति में शहीद CRPF कर्मियों के बलिदान का बहुत बड़ा योगदान है। श्री शाह ने कहा कि जब भी देश की आज़ादी की शताब्दी का स्वर्ण ग्रंथ लिखा जाएगा, उस वक्त सबसे पहले देश के अमर शहीदों की वीरता की गाथा स्वर्णिम अक्षरों में लिखी जाएगी। उन्होंने कहा कि CRPF के जवानों ने हमेशा देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है, इसीलिए देश में जब भी कहीं अशांति होती है और वहां CRPF जवान उपस्थित होते हैं और यह भरोसा होता है कि CRPF मौजूद है तो विजय सुनिश्चित है।

श्री अमित शाह ने कहा कि 2019 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में दूसरी बार सरकार बनने के बाद यह निर्णय लिया गया था कि सभी सुरक्षाबलों का स्थापना दिवस देश के अलग अलग हिस्सों में मनाया जाएगा। उसी निर्णय के तहत आज CRPF की यह वार्षिक परेड नीमच में आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि CRPF का योगदान देश की सुरक्षा से अलग हटकर देखा ही नहीं जा सकता। गृह मंत्री ने कहा कि चाहे कश्मीर में आतंकवादियों से जूझना हो, पूर्वोत्तर में शांति के लिए तैनात रहना हो या फिर दुर्दांत नक्सलियों को 4 ज़िलों तक सीमित करना हो, हमारे CRPF के जवानों का इन सबमें बहुत बड़ा योगदान रहा है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 1939 में CRPF का गठन क्राउन रिप्रेज़ेंटेटिव पुलिस के नाम से किया गया था। इस फोर्स को इसका वर्तमान नया स्वरूप और ध्वज देने का काम देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने किया था। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने न सिर्फ CRPF की स्थापना की और ध्वज दिया बल्कि इसके चार्टर को भी बहुत बखूबी चिन्हित करने का काम किया। सरदार पटेल के ही दिखाए गए रास्ते पर CRPF ने इतनी लंबी गौरवशाली यात्रा पूरी की है। उन्होंने कहा कि आज 248 बटालियन, 4 ज़ोनल मुख्यालय, 21 सेक्टर मुख्यालय, 2 परिचालन सेक्टर मुख्यालय, 17 रेंज और 39 प्रशासनिक रेंज में लगभग 3 लाख CRPF जवान हर जगह देश की शांति और सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं। श्री शाह ने कहा कि CRPF को भारत ही नहीं बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा अर्धसैनिक बल होने का गौरव प्राप्त है।

श्री अमित शाह ने कहा कि 76 साल के आज़ादी के इतिहास में कई ऐसे मौके आए जब देश की आन, बान और शान की CRPF ने सुरक्षा की है। उन्होंने कहा कि 21 अक्टूबर, 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग में चीनी सेना का मुकाबला करते हुए CRPF के जवानों ने शहादत हासिल की और इसीलिए देश के सभी पुलिस बल हर वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2018 में देशभर के शहीद पुलिसकर्मियों और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) के जवानों की स्मृति में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक बनाकर हॉट स्प्रिंग की शहादत को गर्व के साथ अमर स्वरूप देने का काम किया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि 1965 में कच्छ के रण में सरदार पोस्ट पर CRPF के जवान तैनात थे जिन्होंने पाकिस्तान की सेना को मुंहतोड़ जवाब दिया और इसीलिए हर वर्ष 9 अप्रैल को पूरा देश शौर्य दिवस के रूप में मनाता है। उन्होंने कहा कि 2001 में हमारे लोकतंत्र के प्रतीक देश के संसद भवन पर हमला हुआ और CRPF ने उसे भी नाकाम किया। इसी प्रकार, 2005 में श्रीरामजन्मभूमि पर आतंकी हमला हुआ और उसे भी निरस्त करने का काम CRPF ने किया और मंदिर को सुरक्षित रखा। श्री शाह ने कहा कि पशुपतिनाथ से तिरुपति तक लाल आतंक फ़ैलाने का सपना देखने वाले नक्सली आज 4 जिलों तक सीमित हैं, इसमें सबसे बड़ा योगदान

CRPF का है। उन्होंने कहा कि CRPF की सबसे बड़ी भूमिका और योगदान देश को नक्सलवाद से मुक्त करने में रहेगा। CRPF की कोबरा बटालियन को आता देख दुर्दांत नक्सलियों की रूह काँप जाती है। उन्होंने कहा कि कोबरा बटालियन के नेतृत्व में CRPF के अन्य जवानों ने नक्सलवाद को समाप्त करने की दिशा में बहुत बड़ा योगदान दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा और इस लक्ष्य को CRPF के ही दम पर तय किया गया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि धारा 370 हटाने के बाद कश्मीर में शांति बनाए रखनी हो या हर चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराना हो, हर जगह CRPF के जवानों ने सच्चे मन से अपने कर्तव्य का निर्वहन किया है। उन्होंने कहा कि धारा 370 हटने के बाद कश्मीर में विधानसभा के चुनाव हुए और उस वक्त लोगों को कई प्रकार की आशंकाएं थीं, लेकिन हमारे CRPF और अन्य सुरक्षाबलों ने सुरक्षा सुनिश्चित की और न तो एक भी बूथ के लूटे जाने की खबर आई और न ही एक भी गोली कहीं चलानी पड़ी। श्री शाह ने कहा कि यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि CRPF ने विगत 5 साल में नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में 400 से अधिक फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए हैं और इसी कारण 10 साल में नक्सली हिंसा में 70 प्रतिशत से अधिक कमी आई है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों के साथ श्रीलंका, हैती, कोसोवो और लाइबेरिया सहित कई जगहों पर CRPF के जवानों ने संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत शांति स्थापित करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अब तक CRPF ने कुल 2708 विभिन्न पदक प्राप्त किए हैं जो सभी CAPFs में सबसे अधिक हैं। उन्होंने कहा कि चाहे अमरनाथ यात्रा हो, माता वैष्णों देवी यात्रा हो, रामजन्मभूमि की सुरक्षा हो, कृष्ण जन्मभूमि की सुरक्षा हो या फिर महाकुंभ का अवसर हो, हर जगह CRPF के जवानों ने मुस्तैदी के साथ कानून व्यवस्था बनाए रखने में अपना पूरा योगदान दिया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि स्वच्छ भारत, हर घर तिरंगा, एक भारत श्रेष्ठ भारत, स्वच्छता ही सेवा, एक पेड़ मां के नाम जैसे कई अभियानों को CRPF ने बहुत अच्छे तरीके से ज़मीन पर उतार कर यह भी सिद्ध किया है कि देश और समाज के लिए काम करने के लिए भी CRPF हमेशा सजग है। उन्होंने कहा कि सभी CAPFs द्वारा विगत 5 साल में 5 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया था। गृह मंत्री ने कहा कि इस अभियान के तहत पहले पौधे का रोपण उन्होंने स्वयं CRPF के गुरुग्राम स्थित ग्रुप केन्द्र में किया था, एक करोड़वें पौधे का रोपण भी CRPF के नांदेड़ कैंपस में किया, 4 करोड़वें पौधे का रोपण उत्तर प्रदेश के CRPF कैंप में किया और आज 6 करोड़ से अधिक पौधे लगाकर सभी CAPFs ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता दिखाने का काम किया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने सभी CAPFs के जवानों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि देश के 7 दुर्गम क्षेत्रों में एयर कूरियर सेवा शुरू की गई और हाल ही में भारत सरकार ने वेतन और भत्तों में निरंतर सुधार के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि 42 लाख से अधिक आयुष्मान CAPF कार्ड दिए गए हैं जिसके तहत आज हज़ारों अस्पताल CAPF कर्मियों और उनके परिजनों के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि आवास योजना के तहत हाउसिंग सैटिस्फैक्शन रैश्यो लगभग साढ़े 9 प्रतिशत बढ़ा है, CAPF ई-आवास वेब पोर्टल शुरू कर साढ़े 6 लाख CAPF कर्मियों को खाली आवास देने का प्रयास किया गया है और एक लाख से अधिक आवास आवंटित भी कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि अब बलों में महिलाओं की भी भर्ती हो रही है और इनके लिए 124 बैरकों की मंज़ूरी दी गई है, जिनमें से 109 बन चुके हैं और 450 और बैरक बनाने का निर्णय गृह मंत्रालय ने किया है। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना के तहत CAPF कर्मियों के बच्चों को पढ़ाई की सुविधा दी गई है, केन्द्रीय अनुग्रह राशि को वैज्ञानिक बनाया है, विकलांग अनुग्रह राशि में 50 प्रतिशत की वृद्धि की गई है और 119 मास्टर भंडार और 1794 सहायक भंडार के माध्यम से केन्द्रीय पुलिस कल्याण भंडारों को भी और लोकाभिमुख बनाया गया है।

*****

आरके / वीवी / आरआर / पीआर

(रिलीज़ आईडी: 2122402) आगंतुक पटल : 123
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English